भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +121
सोमवार, 29 नवम्बर, 2021/8 अग्रहायण, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर पूर्वी राज्यों में पर्यटक स्थलों की पहचान

+121. **श्री रेबती त्रिपुरा:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश में विदेशी और घरेलू पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर पूर्वी राज्यों विशेषकर त्रिपुरा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किन्हीं पर्यटक स्थलों की पहचान की गई है हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश के उत्तर पूर्वी हिस्से में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजना तैयार की है; और

(घ) सरकार द्वारा देश में पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में देश के प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों सहित भारत काएक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में संवर्धन करता है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने देश में विदेशी और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने/पुनरुद्धार करने के लिए निम्नलिखित पहल की हैं:-

i. बाजार विकास सहायता (एमडीए) विदेशी बाजारों में एक पर्यटन स्थल के रूप में भारत को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) दिशानिर्देशों को बड़ी संख्या में पर्यटन हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए इन दिशानिर्देशों के दायरे और पहुंच को बढ़ाने के लिए संशोधित किया गया है।

ii. पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश पहल शुरू की थी, जिसे मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स और वेबसाइट और घरेलू भारत पर्यटन कार्यालयों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। इस पहल के तहत मंत्रालय हितधारकों के साथ जुड़े रहने और नागरिकों को देश के भीतर यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वेबिनार, प्रश्नोत्तरी, प्रतिज्ञा, चर्चा, रोड शो आयोजित करता रहा है। इसकी शुरूआत से अबतक देखो अपना देश ब्रांड लाइन के तहत 100 से अधिक वेबिनार मंत्रालय द्वारा आयोजित किए गए हैं।

iii. पर्यटन मंत्रालय एक भारत श्रेष्ठ भारत के संवर्धन के लिए युग्मित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच रोड शो, पारिवारिक यात्राएं, बी2बी बैठकें, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, वेबिनार जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।

iv. मंत्रालय और घरेलू कार्यालयों के सोशल मीडिया हैंडल पर देश के गंतव्यों, उत्पादों, त्योहारों, व्यंजनों आदि को बढ़ावा देने के लिए प्रचार अभियान चलाए जाते हैं।

v. पर्यटन मंत्रालय नागरिकों को समृद्ध संस्कृति, इतिहास, विरासत को प्रदर्शित करने के लिए पिछले चार वर्षों से राज्यों /संघ शासित प्रदेशों और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों / विभागों के सहयोग से भारत पर्व और पर्यटन पर्व का आयोजन करता है। इन आयोजनों का उद्देश्य पर्यटन के लाभों पर ध्यान आकर्षित करना और सभी के लिए पर्यटन के सिद्धांत को मजबूत करना है।

vi. जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए मंत्रालय नागरिकों की भागीदारी के साथ विशेष कार्यक्रम / दिवस का आयोजन करता है जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यटन दिवस, संविधान दिवस, स्वतंत्रता दिवस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म के 125 वर्ष की स्मृति, आजादी का अमृत महोत्सव और अन्य क्षेत्रीय त्योहार आदि ।

vii. पर्यटन मंत्रालय और क्षेत्रीय कार्यालय पर्यटन क्षेत्र को खोलने, पर्यटकों को संभालने, सुरक्षा और संरक्षाके प्रोटोकॉल, सेवा मानकों आदि से संबंधित मुद्दों पर यात्रा उद्योग और अन्य हितधारकों के साथ नियमित रूप से संवाद कर रहे हैं। हितधारकों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रमुख शहरों से नजदीकी गंतव्यों के लिए यात्रा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिएमंत्रालय भी इनके साथ समन्वय कर रहा है।

viii. पर्यटन मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर को विरासत, गोल्फ, भोजन, साहसिक,विवाहशादी, आदि को बढ़ावा देने के लिए के लिए एक गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए 11 से 13 अप्रैल 2021 तक श्रीनगर, कश्मीर में "कश्मीर की पर्यटन क्षमता का दोहन: स्वर्ग में एक और दिन" कार्यक्रम का आयोजन किया। इसी तरह, पर्यटन मंत्रालय ने लेह, लद्दाख में एक मेगा पर्यटन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका शीर्षक है: "लद्दाख: नई शुरुआत, नए लक्ष्य" 26 से 28 अगस्त 2021 तक साहसिक, संस्कृति और जिम्मेदारी के पहलुओं पर ध्यान देने के साथ लद्दाख को पर्यटन स्थल के रूप में पर्यटन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए है।

ix. पर्यटन मंत्रालय ने आईआरसीटीसी के सहयोग से बोधगया और वाराणसी में 4 से 8 अक्टूबर 2021 तक एक बौद्ध परिपथ परिचय टूअर्स और सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिसमें देश के अन्य हिस्सों के टूर ऑपरेटर, स्थानीय टूर ऑपरेटर और पर्यटन क्षेत्र के मीडिया के अन्य हितधारक, पर्यटन मंत्रालय के अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान मंत्रालय ने नालंदा विश्वविद्यालय औरबनारस हिन्दूविश्वविद्यालय के छात्रों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया ।

x. माननीय प्रधान मंत्री द्वारा कुशीनगर हवाई अड्डे के उद्घाटन के अवसर पर, पर्यटन मंत्रालय ने बौद्ध सर्किट और बौद्ध तीर्थयात्रियों और दुनिया भर के विद्वानोंको आकर्षित करने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कुशीनगर में 'बौद्ध सर्किट में पर्यटन – एक रास्ता आगे' पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

xi. पर्यटन मंत्रालय ने क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र के विकास और संस्कृति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के उद्देश्य से 28 और 29 अक्टूबर 2021 को बेंगलुरु में दक्षिणी क्षेत्र के पर्यटन और संस्कृति मंत्रियों का एक सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में दक्षिणी क्षेत्र के पर्यटन और संस्कृति मंत्रियों, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों, मीडिया और उद्योग हितधारकों औरअधिकारियों ने भाग लिया। दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उनके मुद्दों और आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए स्थानीय हितधारकों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया था

(ख) और (ग): पर्यटन मंत्रालय अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपने मीडिया अभियानों, वेबसाइटों, रोड शो, सोशल मीडिया प्रचार और देखो अपना देश पहल के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश के सभी पर्यटन स्थलों का संवर्धन करता है। पर्यटन मंत्रालय ने पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन और संस्कृति मंत्रियों की 13 और 14 सितंबर 2021 को गुवाहाटी, असम में एक बैठक भी आयोजित की, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन और कनेक्टिविटी संबंधी मुद्दों के विकास पर चर्चा की गई।

पर्यटन मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए 27 से 29 नवंबर 2021 तक कोहिमा, नागालैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट 2021 का आयोजन कर रहा है।

पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश के तहत एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के साथ आजादी का अमृत महोत्सव वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया। वेबिनार श्रृंखला मूल रूप से विभिन्न

विश्वविद्यालयों के छात्रों को शामिल करने के लिए लक्षित है। उक्त प्रकरण उत्तर-पूर्वी राज्यों पर आधारित था और मुख्य जोर त्रिपुरा राज्य पर दिया गया था। ऐतिहासिक पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, जातीय पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, समुदाय आधारित पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन प्रकृति जैसी महत्वपूर्ण पर्यटन क्षमता को छुआ गया। सत्र में शामिल त्रिपुरा के पर्यटन स्थलों में उनाकोटी, चबीमुरा, जामतुई हिल्स, नारदपारा झील, नीर महल, रुद्र सागर झील, डंबूर झील, अगरतला आदि शामिल थे।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन और तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन की अपनी योजनाओं के तहत पर्यटन से संबंधित अवसंरचनाके विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसे जनवरी 2015 में लॉन्च किया गया था। स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए विषयों में से एक के रूप में पहचान की गई है।

(घ) : पर्यटन मंत्रालय ने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार अन्य कदम/पहल उठाए हैं:

i. 'एक विरासत को अपनाए' परियोजना के तहत विरासत स्थलों/स्मारकों और अन्य पर्यटक स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं का विकास और अनुरक्षण।
ii. पर्यटकों की सहायता के लिए 24x7 टोल फ्री बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन।
iii. 156 देशों के नागरिकों के लिए 5 उप-श्रेणियों यानी ई-पर्यटक वीजा, ई-बिजनेस वीजा, ई-मेडिकल वीजा, ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा और ई-कॉन्फ्रेंस वीजा के लिए ई-वीजा की सुविधा प्रदान करना।
iv. अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाताकार्यक्रम, प्रशिक्षित और प्रमाणित पर्यटक सुविधाकर्ताओं का एक पूल बनाने के लिए बुनियादी, उन्नत, बोली जाने वाली विदेशी भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए एक अखिल भारतीय डिजिटल पहल जो स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करेगी।
v. सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) योजना के तहत बेहतर सेवा मानकों को प्रदान करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना।
vi. पर्यटन मंत्रालय की सिफारिश पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आरसीएस उड़ान योजना के तहत चिन्हित एयरलाइनों को 46 पर्यटन मार्ग प्रदान किए गए हैं। इनमें से 29 मार्गों को अब तक चालू कर दिए गए हैं।
vii. पर्यटन के प्रचार और विकास के लिए देश में आवास इकाइयों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए आतिथ्य उद्योग का राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस (निधि) पोर्टल।
viii. आतिथ्य उद्योग के लिए आकलन, जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए प्रणाली (साथी) को सरकार के कोविडनियमों पर उद्योग को संवेदनशील बनाने और कर्मचारियों और मेहमानों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद के सहयोग से शुरू किया गया है कि आतिथ्य इकाई ने इस दिशा में अपनी मंशा प्रदर्शित की है। इसका उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करना है।

****